वार्तालाप-511 राऊरकेला (उड़ीसा) पार्ट-1 दिनांक- 07.02.08 Disc.CD No.511, dated07.02.08 at Rourkela (Orissa) Part-1

समयः 05.30-06.50

जिज्ञासुः संगमयुगी लक्ष्मी-नारायण जब सतयुगी सेकेण्ड नारायण को जन्म देने तक जिन्दा रहेगा या नहीं?

बाबाः जो संगमयुग के योगी हैं, जो शरीर रहते-2 पाँच तत्व पर विजय पावेंगे उनकी आयु सबसे लम्बी होगी या थोड़ी होगी? जो सतयुग में नारायण जन्म लेगा पहला नारायण, जो दूसरा नारायण जन्म लेगा, तीसरा नारायण जन्म लेगा वो उत्तरोत्तर संगमयुग में कम योगी होंगे या समान योगी होंगे? कम योगी होंगे। तो एवरेज़ ऐज़ भी उनकी कम होती जावेंगी। संगमयुगी लक्ष्मी-नारायण सबसे जास्ती योगी है तो उनकी आयु भी और दूसरे डिनायस्टी के मनुष्य के मुकाबले सबसे जास्ती होनी चाहिए।

Time: 05.30-06.50

Student: Will the Confluence-Age Lakshmi-Narayan remain alive until the Golden-Age second Narayan takes birth or not?

Baba: Will the age of yogis of the Confluence Age, who gain victory over the five elements while being in their body be more than others or less? Will the first Narayan, the second Narayan, the third Narayan, who take birth in the Golden Age be successively be lesser yogis or equal yogis in the Confluence Age? They will be lesser yogis. So, their average age will also go on decreasing. The Confluence Age Lakshmi and Narayan are the greatest yogis, so their age should also be more when compared to the other human beings of other dynasties.

समयः 12.00-18.30

जिज्ञासुः बाबा संगमयुगी नारायण बननेवाली जो आत्मा है उनकी उम्र पैंसठ साल। उसी आयु के बारे में थोड़ा मंथन कर रहा हूँ।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासु- जब उनकी प्रत्यक्षता रूपी जन्म होगी 2018 में तो 11 साल जोड़ा तो 76 आ रहा है। तो 2018 में 76 साल आया।

बाबा- हाँ, जी।

जिज्ञासु- उसके बाद 2036 तक जब होगा कृष्ण बच्चे की जन्म तभी 18 साल फिर जोड़ा तो 94 इयर्स आया।

बाबा- हाँ, जी।

Time: 12.00-18.30

Student: Baba, the age of the soul that becomes Confluence Age Narayan is sixty five years (at present). I am churning a little about that age.

Baba: Yes.

Student: When he takes revelation-like birth in 2018; so, if you add 11 years it comes to 76. So, it comes to 76 years in 2018.

Baba: Yes.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: After that when child Krishna takes birth in 2036, add 18 years to that (i.e. to 76 years age), then it comes to 94 years.

Baba: Yes.

जिज्ञासु- तो 94 में कृष्ण बच्चे की जन्म होगा मतलब संगमयुगी नारायण की शरीर के आयु के हिसाब से। उसके बाद 2036 में कृष्ण बच्चे की जन्म और वही कृष्ण बच्चा जब 60 साल की होंगे तभी उनको डिनायस्टी मिलेगी। तो....

बाबा- कौनसा कृष्ण बच्चा जो?

जिज्ञासु- सतयुगी कृष्ण।

बाबा- सतय्गी कृष्ण जो है वो 60 साल का होगा तब उनको राज्य मिलेगा?

जिज्ञास्- 18-20 साल बताया बाबा ने।

बाबा- हाँ,

Student: So, child Krishna will take birth when he is 94 years old, i.e. from the point of view of the age of the Confluence Age Narayan's body. After that child Krishna will take birth in 2036 and when that child Krishna becomes 60 years old, he will get the dynasty (i.e. the kingship). So,

Baba: Which child Krishna?

Student: The Golden Age Krishna.

Baba: Will the Golden Age Krishna get the kingship when he is 60 years old?

Student: Baba has said 18-20 years.

Baba: Yes.

जिज्ञासु- नहीं-2, संगमय्गी कृष्ण के 18-20 साल बोला है बाबा।

बाबा- वो संगमयुगी कृष्ण का ठीक है। लेकिन सतयुग में जब बच्चे 60 साल के हो जायेंगे तब उनको बाप राजगद्दी देगा ऐसी कोई बात नहीं है। वहाँ राजगद्दी की कोई बात होती है क्या? लक्ष्मी-नारायण को झाड़ के चित्र में खड़ा हुआ दिखाया है सीढी के चित्र में या राजगद्दी में बैठे हुए दिखाया?

जिज्ञासु- बैठा ह्आ।

बाबा- क्यों? वहाँ कोई उत्सव नहीं होता, वहाँ सतयुग में कोई कोरोनेशन नहीं होगा। वहाँ रोज ही स्ख है, रोज ही उत्सव है। ये यहाँ की बाते हैं।

जिज्ञासु- तो ये कृष्ण की बातें जो 60 साल की बताया है वो किस बात के हिसाब से बताया? सतय्गी कृष्ण के लिए 60 साल लागू....

बाबा- हाँ, जी।

Student: No, no. Baba has said 18-20 years for the Confluence Age Krishna.

Baba: It is ok about the Confluence Age Krishna. But it is not true that when children become 60 years old in the Golden Age, their fathers will hand over the throne to them. Is there any question of throne there? Have Lakshmi and Narayan been shown to be standing in the picture of ladder or have they been shown sitting on the throne?

Student: (They have been shown) sitting.

Baba: Why? There is no festival there; there will not be any coronation in the Golden Age. There is happiness every day, there is festival every day. These are issues of this place.

Student: So, the issue of Krishna who is said to be 60 years was told on what basis? Does 60 years apply to the Golden Age Krishna?

Baba: Yes.

जिज्ञासु- संगमयुगी कृष्ण के लिए 18 साल लागू।

बाबा- वो 50-60 बताया वो एक्युरेट नहीं बताया। जब सतयुग होगा तो वहाँ 60 साल बच्चा जब होगा तो माँ-बाप ऐसे नहीं कि 60 साल तक जिंदा रहेंगे। नहीं। वो 60 साल यहाँ की बातें है। तुम्हारी पढ़ाई है 50-60 साल की। यहाँ की पढ़ाई के आधार पर 50-60 साल बताया है।

जिज्ञासु- तो इस हिसाब से 94 हो रहा है ज्यादा से ज्यादा।

बाबा- हाँ, जी। 75-76 यहाँ से सुप्रीम टीचर की पढ़ाई शुरू होती है। उसमें 60 साल जोड दिये तो कितने ह्ए?

जिज्ञास्- 76 में?

बाबा- 76 में 60 साल जोड़े तो कितने ह्ए?

जि**र्जास्-** 2036 आ गया।

बाबा- 2036 आ गया। यही 60 साल है। बाकी ऐसा नहीं है कि सतयुग में 60 साल के जब होंगे तब माँ-बाप जो है शरीर छोड़ेंगे, बच्चों को कोरोनेशन करेंगे, राजगद्दी देंगे। अगर ऐसा होता रहे तो 8 डिनायस्टी नहीं साबित होती है। वहाँ तो बच्चे जन्म लेते ही नौजवान दिखाई देते है। जैसे गाय का बच्चा जन्म लेते ही उछलने लगता है, दौड़ने लगता है। और?

Student: 18 years is applicable to the Confluence Age Krishna.

Baba: The 50-60 years that was mentioned was not accurate. During Golden Age when the child becomes sixty years old, then it is not true that the parents will be alive for 60 years. No. That issue of sixty years is about this time. Your studies are for 50-60 years. 50-60 years have been mentioned on the basis of studies.

Student: So, this way the age is working out to be 94 years at the most.

Baba: Yes. The teachings by the Supreme Teacher begins here from (19)75-76. If you add 60 years to it, what does it come to?

Student: In (19)76?

Baba: Which figure do you get when you add 60 years to (19)76?

Student: It comes to 2036.

Baba: It comes to 2036. These are the sixty years. It is not that when the children reach the age of sixty their parents will leave their bodies or that they will perform the coronation ceremony of their children and handover the throne to them. If it happens like this, then 8 dynasties are not proved. There children appear to be grownup as soon as they take birth just as a calf starts jumping and running as soon as it takes birth. Anything else?

जिज्ञासु- तो संगमयुगी नारायण की आयु कब से गिनती होनी चाहिए बाबा? 75? बाबा- मुरली में क्या बताया इन लक्ष्मी-नारायण का जन्म कब हुआ? कब हुआ जन्म? जिज्ञासु- 76.

बाबा- 76, जन्म माना यहाँ तो बेहद का जन्म है। उनकी 100 साल आयु ब्रह्मा की कब पूरी हुई पहले ब्रह्मा की? 76 में 100 साल पूरी हुई। मृत्युलोक में ब्रह्मा खलास हो गया। तो कहाँ जन्म लेता है? अमरलोक में। सन 76 से ही उस आत्मा को निश्चयबुद्धि विजयते का जन्म मिल गया। दुनिया का कोई व्यक्ति नहीं है जो उसके निश्चय को तोड सके। औरों को निश्चय-अनिश्चय जन्म–मरण का चक्र आवेगा।

जिज्ञासु- जब तक ब्रहमा बाबा जीवित था तो उनके मुख से निकला अमृत नहीं था। बाबा- उनके मुख से निकला।

जिज्ञास्- अमृत नहीं था।

बाबा- अमृत नहीं था। अमृत उसे कहा जाता है जो मनन-चिंतन-मंथन कर के निकाला जाये। मंथन जब तक न हो तब तक अमृत अर्थात् सार यानी मक्खन नहीं निकलता, नहीं बनता। तो 68-69 18 जनवरी (यह बात सही नहीं लगती क्योंकि मम्मा तो केवल सन पैंसठ तक जीवित थी। यदि बाबा चाहें तो कोष्ठक में सन् पैंसठ लिख सकते हैं) तक जो भी वाणी बोली गई उसका मंथन मम्मा ने फिर भी किया था ब्रह्मा की वाणी का। लेकिन मम्मा के शरीर छोड़ने के बाद वाणी का मंथन करनेवाला कोई नहीं रहा। ब्रह्मा बाबा तो पार्ट ही बता दिया मुरली में, क्या पार्ट था? बच्चा बुद्धि। आज ही मुरली में क्या बोला? ये तो बच्चा जैसे बेबी बन गये। इस ब्रह्मा को बाबा बेबी कहते है। बेबी किस बात में? दाढ़ी-मूँछ (वाले) को बेबी कहा जाता है? बच्चा क्यों कहा? जैसे बच्चे की बुद्धि नहीं चलती ऐसे बच्चा बुद्धि आत्मा थी। जो बोल दिया सो स्न लिया, स्ना दिया, बस।

Student: So, from when should we count the age of Confluence Age Narayan? (19)75?

Baba: What has been told in the Murli? When did this Lakshmi and Narayan take birth? When were they born?

Student: (19)76.

Baba: (19)76. Here birth means a birth in an unlimited sense. When did the first Brahma complete the age of 100 years? He completed 100 years in (19)76. Brahma's period in the abode of death (*mrityulok*) ended. So, where does he take birth? In the abode of eternity (*amarlok*). From (19)76 itself, that soul got the birth of victory through faith. There is no person in the world who can break his faith. Others will pass through the cycle of birth and death like faith and faithlessness.

Student: Until Brahma Baba was alive, whatever emerged from his mouth was not nectar.

Baba: Whatever emerged from his mouth...

Student: Was not nectar.

Baba: It was not nectar. Nectar is something that is produced through thinking and churning. Until churning takes place, the nectar, i.e. cream does not emerge, does not form. So, whatever versions were spoken through Brahma until 18th January, (19)68-69 was churned by Mamma. But after Mamma left her body, there was nobody to churn those versions. As regards the part of Brahma Baba, what has been told in the Murlis? Which part did he play? Child-like intellect. What did he say in today's Murli only? This one is like a child, like a baby. Baba calls this Brahma as a baby. Baby in which aspect? Is someone with beards and mosutaches called a baby? Why was he called a child? Just as the intellect of a child does not work, similarly, he had a child-like intellect. He listened to whatever was spoken (by Baba through his mouth) and he narrated the same thing.

समयः 18.35-20.50

जिज्ञासुः बाबा एकलव्य ने गुरु दक्षिणा दिया है। ऊंगली भी काट के दे दिया। इसका बेहद का माने क्या है?

बाबाः ऊंगली नहीं काट के दे दिया, अंगूठा काट के दे दिया।

जिज्ञास्- इसका बेहद का माने क्या है?

बाबा- इसका बेहद का अर्थ ये है कि राम वाली आत्मा अंतिम समय में जब सृष्टि का अंत होना होता है 5-7 रोज में तो उस समय राम वाली आत्मा को रावण बनना है। राम क्या बनता है? रावण बनता है। तो जब रावण बनेगा तो सारी दुनिया उन सात दिनों में; जो आत्मअभिमानी नहीं होंगे, देहअभिमानी होंगे वो रोयेंगे या हँसेंगे? सब रोयेंगे। इसलिए आत्मिक स्थिति का अंगुठा काट के दे दिया। आत्मिक स्थिति का अंगूठा कट जाता है तो क्या रह जाता है? देह अभिमान ही रह जाता है। देह अभिमानी को ही रावण कहा जाता है। अति होती है तो अंत होता है।

Time: 18.35-20.50

Student: Baba, Eklavya gave *guru dakshina* (anything given by a disciple to his teacher in return for the training received from him). He cut his finger and gave it to him. What does it mean in an unlimited sense?

Baba: He did not cut his finger; he cut his thumb and gave it.

Student: What does it mean in an unlimited sense?

Baba: In an unlimited sense it means that at the end time, when the world is about to end within 5-7 days, the soul of Ram has to become Ravan. What does Ram become? He becomes Ravan. So, when he becomes Ravan, the entire world... in those seven days...; will those who are not soul conscious, who are body conscious cry or laugh? All of them will cry. This is why he cut the thumb of soul consciousness and gave it. When the thumb of soul consciousness is cut off, what remains? Only body consciousness remains. The body conscious one is called Ravan. When something reaches the extreme, it comes to an end.

जिज्ञासु- बाबा इसलिए एकलव्य को कौरवों के साथ दिखाया गया है शास्त्रों में कि उनका अंत करने के लिए या किसलिए? एकलव्य को तो राम वाली आत्मा का सूचक बताया गया है; परंतु शास्त्रों में दिखाया गया....

बाबा- सारी दुनिया मेरी है। स्वर्ग की दुनिया मेरी है तो नर्क की दुनिया मेरी नहीं है क्या? ये किसने बोला?

जिज्ञासु- राम वाली आत्मा।

बाबा- ये राम वाली आत्मा के लिए बोला गया। एकलव्य जब कहा गया तो एक को लव करने की स्थिति में रहने वाला इतना ज्ञान पराकाष्ठा में बैठा हुआ हो कि एक के अलावा अंदरूनी प्यार और किसी से पैदा न हो; सब धोखेबाज हैं। आज नहीं तो कल सब धोखा देने वाले हैं। जो खास भुजायें है जगदम्बा और लक्ष्मी वो भी नहीं रहेंगी सहयोगी के रूप में।

Student: Baba, this is why has Eklavya been shown along with Kauravas in the scriptures? [Is it to] bring about their end or for any other purpose? Eklavya is said to be the representation of the soul of Ram. But it has been shown in the scriptures......

Baba: The entire world is mine. If the heavenly world is mine, is the hellish world not mine? Who said this?

Student: The soul of Ram.

Baba: This was said for the soul of Ram. When he is called Eklavya, he remains in the stage of loving the one; [the knowledge] should reach such a high level that there should not be internal love for anyone except the one. Everyone is a cheat. If not today, they will cheat tomorrow. The special arms, i.e. Jagdamba and Lakshmi will not remain helpful either.

समयः 20.50-22.50

जिज्ञासः बाबा रूमाल को खोया तो कभी ख्द को भी खो देंगे।

बाबाः रूमाल को अगर खो देंगे तो एक दिन ऐसा भी आवेगा कभी अपने को भी खो देंगे। जिज्ञास्- रूमाल......

बाबा- हाँ, ये रूह के माल को जरा संभाल के रखना चाहिए।

जिज्ञासु- रूह का माल माना शरीर......

बाबा- रूह का माल जो है वो पवित्रता है, प्योरिटी। शरीर से ही प्योरिटी और इम्प्योरिटी होती है। शरीर नहीं तो प्योरिटी इम्प्योरिटी की बात नहीं। रूह माल को छोटी चीज़ न समझो। रूह माल जेब में रखा जाता है। ये बुद्धि रूपी पॉकेट है। इसे संभाल के रखना चाहिए।

Time: 20.50-22.50

Student: Baba, if you lose a handkerchief (*rumaal*) one day you may lose yourself, too.

Baba: If you lose a handkerchief, then one such day will also come when you will lose yourself.

Student: Handkerchief....

Baba: Yes, you should take care of the soul's property (*ruh ka maal*).

Student: Ruh ka maal means the body.....

Baba: The property of the soul (*ruh ka maal*) is purity. Purity and impurity happens only through the body. If there is no body, there is no question of purity and impurity. Do not consider the property of the soul to be a small/negligible issue. The handkerchief is placed in the pocket; this is a pocket-like intellect. It should be kept carefully.

22.50-23.00

जिज्ञासु- बाबा राजाओं के बीच जो संस्कार का टकराव हुआ वो संस्कार एक कब होंगे? संस्कार एक होगा कब तक होगा?

बाबा- संस्कार एक तब होगा जब आत्मा-2 भाई-2 होंगे; भाई-बहन भी नहीं। क्या होंगे? आत्मा-2 भाई-2 होंगे। अभी तो कृष्ण बच्चे को भी अपनी अम्मा क्या नज़र आती है? जो कृष्ण की आत्मा है उसकी जो वास्तव में अम्मा है वो क्या नज़र आती है? पितन नज़र आती है। वो अपन को गीता पित भगवान समझे बैठा है तो औरों का क्या हाल होगा?

Student: Baba, the clash of *sanskars* that takes place between kings; when will those *sanskars* become one? By when will the *sanskars* become one?

Baba: The *Sanskars* will become one when the souls consider themselves to be brothers amongst each other, not even brothers and sisters. What will they be? When they will be

souls who are brothers among themselves. Now even the child Krishna sees his mother as what? What does the soul of Krishna see the one, who is actually his mother, as? He sees her as his wife. He thinks himself to be the husband, i.e. God of the Gita. So, what will be the condition of the others?

समयः 23.00-25.20

जिज्ञासुः बाबा कृष्ण वाली आत्मा का जन्म 2036 में होगा और उसका प्रत्यक्षता होगा 2036 में?

बाबाः प्रत्यक्षता तो राम और कृष्ण की साथ ही साथ होनी है। नहीं तो एक जैसी पूजा और एक जैसे मंदिर नहीं बनाये जा सकते, एक जैसी महिमा भी नहीं हो सकती। बल्कि राम के मुकाबले कृष्ण की महिमा और ही जास्ती है।

जिज्ञासु- उसका स्थूल जन्म होगा 2036 के पहले

बाबा- स्थूल जन्म जब होगा तो शरीर के पाँच तत्व सतोप्रधान होंगे या तमोप्रधान होंगे?

जिज्ञास्- सतोप्रधान।

Time: 23.00-25.20

Student: Baba, will the soul of Krishna be born in 2036 and be revealed in 2036?

Baba: Ram and Krishna have to be revealed at the same time. Otherwise, they cannot be worshipped in the same way and their temples cannot be made in the same way, they cannot be praised in the same way; rather, when compared to Ram, Krishna is praised more.

Student: He will be born physically in 2036....

Baba: When he is born physically, will the five elements of the body be *satopradhan* (stage of goodness and purity) or *tamopradhan* (dominated by darkness and ignorance)?

Student: Satopradhan.

बाबा- और दुनिया का विनाश होने से पहले जो पाँच सौ - सात सौ करोड़ तामसी शरीर वाली दुनिया है, पाँच सौ करोड़ तामसी पाँच तत्वों वाली दुनिया है, ये जब तक बनी रहेगी तब तक दुनिया में तामसी वायब्रेशन फैलेंगे या सात्विक वायब्रेशन फैलेंगे? तो तामसी वायब्रेशन से पाँच तत्व सतोप्रधान बनेंगे जड़, जड़ तत्व सतोप्रधान बनेंगे या तमोप्रधान बनेंगे? तमोप्रधान बनेंगे। इसलिए जब तक पाँच सौ करोड़ की दुनिया मौजूद है इस सृष्टि पर, तामसी दुनिया तब तक तामसी वायब्रेशन संसार में फैल रहे है। सात्विक शरीरधारी का जन्म नहीं हो सकता।

जिज्ञासु- बाबा ये नया क्लारिफिकेशन है अभी।

बाबा- नये की क्या बात है? तुमको नहीं मालूम कि चैतन्य आत्मा ज्ञान से सुधरती है या जड़ पाँच तत्व ज्ञान से सुधरते है?

जिज्ञासु- चैतन्य आत्मा पहले सुधरती है।

बाबा- हाँ, चैतन्य आत्मा पहले सुधरे फिर पाँच जड़ तत्व सुधरेंगे। आत्माओं में भी कोई ज्ञान से सुधरती है सहज और कोई फिर धर्मराज के इंडों से कहते बस, बस मान लिया।

Baba: And before the destruction of the world takes place, as long as the world of five to seven billion degraded bodies exists, as long as the world of five billion [people] made up of degraded five elements exists, will degraded vibrations spread in the world or will pure vibrations spread? Will the non-living five elements become *satopradhan* through those

degraded vibrations; will the non-living elements become *satopradhan* or *tamopradhan*? They will become *tamopradhan*. This is why as long as the creation of five billion [people] exists in this world, [as long as] the degraded world exists, degraded vibrations are spreading in the world. A pure bodied soul cannot be born.

Student: Baba, now this is a new clarification.

Baba: What is new in this? Don't you know whether the living soul reforms through knowledge or do the five elements reform through knowledge?

Student: The living soul reforms first.

Baba: Yes, first the living soul should reform. Then the five non-living elements will reform. Even among the souls, some reform easily through knowledge and and some say, "Enough, I accept [my mistake]" on being beaten by Dharmaraj.

समयः 26.00-27.40

जिज्ञास्ः बाबा, कोहिन्र का अर्थ क्या है बेहद?

बाबाः कौन है न्र हीरा माना कोहिन्र हीरा। बाप इस समय विदेशी बनकर के आये हुए हैं। कोहिन्र हीरा कहाँ है? विदेश में है, स्वदेश में है?

जिज्ञास्- विदेश में।

बाबा- हाँ, किस की कस्टडी में है? विदेशियों के कस्टडी में है। साधारण जगह नहीं रखा हुआ है। कहाँ रखा हुआ है? म्यूजियम में रखा हुआ है। कोई चीज़ की बहुत संभाल करनी होती है तो कहाँ रखते है? म्यूजियम में रखते है। उस हीरे की कीमत को किसने पहचाना?

जिज्ञास्- विदेशी।

बाबा- विदेशियों ने पहचाना। तो भारत देश से विदेश में ले गये। और बाप को भी कौन पहचानते हैं? विदेशी बाप को पहचानते हैं। वही उसकी कीमत को आंकते हैं। भारतवासी तो कुंभकर्ण की नींद में सोये हुए हैं। उनको तो पता ही नहीं है – को है नूर हीरा।

Time: 26.00-27.40

Student: Baba, what is meant by Kohinoor in an unlimited sense?

Baba: 'Kaun hai noor heera' (who is the diamond of light) means Kohinoor diamond (heera). The Father has now come in the form of a foreigner (videshi). Where is Kohinoor diamond? Is it in a foreign country or in our country (swadesh)?

Student: In a foreign country.

Baba: Yes, whose custody is it in? It is in the custody of foreigners. It is not kept in an ordinary place. Where is it kept? It is kept in a museum. If something is to be kept carefully, where is it kept? It is kept in a museum. Who realized the value of that diamond?

Student: The foreigners.

Baba: The foreigners realized. So, they took it from India to the foreign country. And who recognizes the Father? The foreigners recognize the Father. It is they who assess His value. Indians are sleeping in the sleep of Kumbhakaran¹. They do not know at all, who is the *nur heera* (the diamond of light).

समयः 28.20-31.36

¹ Ravan's brother who used to sleep for 6 months.

1

जिज्ञासः बाप कैसे विदेशी बनकर के आते हैं?

बाबाः जो विदेशी होते हैं और जो सच्चे स्वदेशी होते हैं - मर्यादा पुरूषोत्तम - उनका अंतर तो मालूम है? भारतवर्ष में राम को सच्चा स्वदेशी कहा गया। एक पत्निव्रतधारी। जो सतयुग में राधा-कृष्ण होंगे वो स्वदेशी होंगे या विदेशी होंगे?

जिज्ञासु- स्वदेशी।

Time: 28.20-31.36

Student: How does the Father come in the form of a foreigner?

Baba: Do you know the difference between the foreigners (*videshis*) and the true *swadeshis*² who are *maryada purushottam* (the highest among all souls in following the code of conduct)? In *Bharatvarsh* (India) Ram has been described as a true *swadeshi*. He is loyal to his wife (*ek patnivratdhari*). Will Radha and Krishna of the Golden Age be *swadeshis* or *videshis*?

बाबा- किस आधार पर उनको स्वदेशी कहा? राधा की दृष्टि कृष्ण में डूबती है, कृष्ण की दृष्टि राधा में डूबती है; वो ह्ए पक्के स्वदेशी। और बाप इस समय पक्का विदेशी बनकर के आया ह्आ है। अगर (बाप) एक में ही दृष्टि ड्बा के रखे तो और सबका अकल्याण हो जायेगा। अगर एक से ही इन्द्रियों का संबंध जोड़ने का विरुद बनाये तो और आत्माओं को संग का रंग एक का नहीं लगेगा, क्या होगा? फिर क्या होगा? अनेकों का संग का रंग फिर भी लगता रहेगा तो द्निया पतित बनती रहेगी या पावन बनेगी? बाप तो आया ही है द्निया को शिवालय बनाने के लिए। शिवालय में जो भी देवी-देवतायें चारों ओर दीवारों पर बैठे ह्ए हैं वो किसकी याद में बैठे हैं? एक शिव की याद में बैठे हैं। उसको कहते हैं शिवालय। एक शिव का संग करना चाहते हैं, अनेकों का संग का रंग नहीं लेना चाहते। और वेश्या क्या करती है? वेश्यालय में क्या होता है? वेश्या कितनों का संग करती है? अनेकों को संग करती है। उसके घर को कहा जाता है वैश्यालय और शिव के घर को कहा जाता है शिवालय। इसका पक्का प्रुफ है एड़वान्स पार्टी का शिवालय मधुबन। बाहर की दुनिया में जाकर के कोई कितना भी बक-2 करते रहे। बह्त भष्ट्राचारी है, बह्त व्यभिचारी है, ये है, वो है लेकिन वहाँ के जो माहौल को देखकर के आते हैं वो जानते हैं कि वहाँ मध्बन के अंदर कोई परिंदा पर नहीं मार सकता। और आगे चलकर के और ही कड़क वाणी बोल दी है ये ब्राहमणों का परिवार एक ऐसा संगठन बनता जावेगा, ऐसा संगठन रूपी किला बन जावेगा जो कोई भी आस्र उसमें पाँव रख नहीं सकेगा।

Baba: On what basis were they called *swadeshis*? Radha's eyes are set only on Krishna and Krishna's eyes are set only on Radha; they are firm *swadeshis*. And now the Father has come in the form of a firm *videshi*. If He (i.e. the Father) sets his eyes only on one, then all the others will not be benefited. If He decides to establish connection with only one through the bodily organs, the other souls will not be colored by the company of one; what will happen? Then what will happen? If they keep on being coloured by the company of many, will the world go on becoming sinful or pure? The Father has indeed come to make the world a

_

² belonging to one's own country

Shivaalay (the temple of Shiva). In whose remembrance are all the deities who are sitting on the four walls (whose pictures are made on the walls)? They are sitting in the remembrance of one Shiv. That is called Shivaalay. They want to be in the company of one Shiv. They do not want to be coloured by the company of many. And what does a prostitute (veshya) do? What happens in a brothel (veshyalay)? A prostitute keeps the company of how many people? She keeps the company of many people. Her home is called a brothel and Shiv's home is called Shivaalay. Its clear proof is the Shivaalay of the Advance Party, Madhuban. Someone may keep talking (about the Father) to whatever extent in the outside world, that he is very unrighteous, very adulterous, he is this, he is that, but when they see the atmosphere there and come, they know that not even a bird can flap its wings³ in that Madhuban. And it has been said even more strictly about the future, "this Brahmin family will go on becoming such a gathering, [it will become] such a fort-like gathering that no demon will be able to step into it.

समयः 31.40-34.40

जिज्ञासुः विजयमाला को माना आखरीन सूर्यवंश में आना पड़ेगा और बेसिक वाले उनको जो पूरा निकाल देंगे, ऐसा कौनसा परिस्थिति होगा जो उनको निकाल देंगे विजयमाला को? रानी मक्खी हेड है।

बाबाः किसको निकाल देंगे? जिज्ञासु- विजयमाला की हेड़।

बाबा- विजयमाला को निकाल देंगे।

जिज्ञास्-.... उनकी हेड़ को वेदान्ती बहन।.....

बाबा- किले की दो दीवारें होती हैं एक अंदर की दीवार और एक बाहर की दीवार। ये ब्राहमणों के किले की भी दीवारें बेसिक में रहीं। उनमें खास वरदान दिया बापदादा ने – अंदर वाले रह जावेंगे और बाहर वाले ले जावेंगे माना बाहर की दीवार टूट गई। तो बाहर वाले एड़वान्स ज्ञान ले गये बाप से और अंदर वाले रह गये।... अब अंदर की दीवार की जो बात आई वहाँ अभी भी सरेन्डर हो रहे हैं। लेकिन अव्यक्त वाणी में बोला 3-4 साल पहले-अभी दुबारा भी समर्पण समारोह करेंगे। इसका क्या मतलब हुआ? कि सच्चा समर्पण समारोह वो नहीं हो रहा है। यहाँ धनी-धोरी कोई नहीं है; ऐसे ही देहधारी गुरूओं के सामने समर्पण हो रहा है। सच्चा समर्पण अभी दुबारा होना है। जब रानी मक्खी उड़ेगी और उसके साथ-2 सारी मिक्खयाँ उड़ेगी तो दुबारा समर्पण समारोह होगा।

Time: 31.40-34.40

Student: *Vijaymala* (the rosary of victory) will ultimately have to come to *Suryavansh* (the Sun Dynasty) and those who follow basic knowledge will abandon them completely; what will be the circumstance under which they will abandon the *Vijaymala*? The queen bee is the head.

Baba: Whom will they abandon? Student: The head of the *Vijaymala*. Baba: Will they remove *Vijaymala*? Student:...their head, [i.e.] sister Vedanti...

_

³ Here, the expression *parinda par marna* means to be kept in full security.

Baba: There are two walls of a fort, one is an inner wall and the other is the outer wall. These walls of the fort of Brahmins were present in the basic (knowledge) as well. Bapdada gave a special blessing to them, "the insiders will be left behind and the outsiders will take [the advance knowledge]", i.e. the outer wall was broken; so, the outsiders took the advance knowledge from the Father and the insiders were left behind. ... Well, as regards the mention of the inner wall, people are still surrendering [themselves] there. But it has been said in the *avyakta vani* around three-four years ago that now the dedication ceremony will be organized once again. What does it mean? It is not a true dedication ceremony that is taking place. Here (i.e. in basic knowledge), there is no master (*dhani dhori*); the dedication ceremony is taking place just in front of the bodily gurus. The true dedication ceremony has to take place again. When the queen bee flies, and when all the bees fly along with her, then the dedication ceremony will take place once again.

जिज्ञासु- बाबा कौनसी वो परिस्थिति आयेगी जो वो रानी मधुमक्खी पुराने छाते को छोड़कर नये छाते में आ जायेगी?

बाबा- एड़वान्स में अभी जो भी सेन्टर्स है उनमें स्थिति सुधरती जा रही है और बेसिक में जो भी सेन्टर्स है वहाँ स्थिति सुधरती जा रही है या बिगड़ती जा रही है?

जिज्ञासु- बिगइती जा रही है।

बाबा- तो बिगइते-2 आखरीन क्या हाल होगा? पूरा ही बिगइ जावेगा। सहन करने की भी एक सीमा होती है।

Student: Baba, under what circumstances that queen bee will leave the old bee-hive and come to the new bee-hive?

Baba: The situation is improving in the centers that exist in the advance (party) at present and is the situation of the centers in basic (knowledge) improving or worsening?

Student: It is worsening.

Baba: After worsening continuously, what will be the ultimate result? It will worsen completely. There is a limit for tolerance too.

समयः 35.01-40.13

जिज्ञासुः बाबा, बाबा बोलते हैं कि जब पीठ का सहारा चाहिए तो पहाड़ को सहारे बना लो। वो क्या बाबा?

बाबाः हाँ, अभी तो सोफा सेट पर आराम से बैठ लो। आश्रमों में दूसरों का कमाया हुआ पैसा लगाकर के सोफे की गद्दियाँ बना लो, पूरे मकान में मोटे-2 स्पंज बिछा लो लेकिन ऐसा भी समय आवेगा इतनी भीड़ बढ़ेगी माउन्ट आबू में जो बोला है मुरली में आबू रोड़ से माउन्ट आबू तक क्यू लग जावेंगी। जैसे तिरूपित में जो गये होंगे उन्होंने क्यू देखी होगी लम्बी-2 वो तो बहुत छोटी है। तो जब ऐसी क्यू लगेगी तो नज़ारा क्या होगा? पहाड़ों पर बैठकर के सोना ही मिलेगा। जब सभा लगेगी। इतना बड़ा हॉल नहीं बनाया जा सकता कि सब उसमें बैठ सकें 3-4 लाख। चारों ओर पहाड़ होंगे और सब पहाड़ को पीठ कुर्सी बनाकर के आत्मिक स्थिति में बैठे होंगे। जैसे बाप के सामने आने से थकान उड़ जाती है। ये तो थोड़े समय की बात है।

लेकिन वहाँ लम्बे समय तक भी थकान नहीं होगी। क्यों नहीं होगी? क्योंकि परमधाम को तुम बच्चे इस सृष्टि पर उतार लेंगे अपनी संगठित आत्मिक स्टेज के आधार पर।

Time: 35.01-40.13

Student: Baba, Baba says that when you need a support for the back, make the mountain your support. What is that Baba?

Baba: Yes, now you may sit comfortably on sofa sets. Using money earned by others in the ashrams you can acquire sofas; you can spread sponge in the entire house, but such time will also come, the crowd will increase to such an extent in Mount Abu that it has been said in the Murli, "there will be a queue from Abu Road to Mount Abu". For example, those who must have been to Tirupati must have seen long queues; that is comparatively smaller. So, when such a queue emerges (from Abu Road to Mt.Abu) what will be the scene? You will be able sleep only while sitting on the mountains, when the gathering is organized. There cannot be a hall made where 3-4 lakh people can sit. There will be mountains all around and everyone will make the mountains their chair and sit in soul conscious stage. For example, you forget your exhaustion when you come in front of the Father. This is for a little while. But there, you will not feel tired for a long time. Why will you not feel tired? It is because you children will bring the Supreme Abode down to this world on the basis of the collective stage of soul consciousness.

जिज्ञासु- बाबा पाँच तत्व उस समय मतलब तमोप्रधान होंगे उस समय वहाँ माउन्ट आबू में। गरमी-बारिश ज्यादा होगी?

बाबा- दुनिया में एक ही स्थान ऐसा है जहाँ छोटे-मोटे भूकंपों का कोई असर नहीं होगा। वो है ग्रेनाईट का बड़े ते बड़ा पहाड़। एक ही पत्थर से बहुत गहराई तक बना हुआ पहाड़ है। सारी सृष्टि पर धीरे-2 एक-2 कर के शहर बाम्ब से बरबाद होते रहेंगे और तुम बच्चे माउन्ट आबू में बैठकर के नज़ारा देखते रहेंगे टी.वी में और बेहद की टी.वी में। दुनिया बरबाद होती रहेगी और तुम आराम से रहेंगे। लेकिन जब लास्ट विनाश होगा तो कुछ भी नहीं रहेगा।

Student: Baba, the five elements will be degraded at that time in Mount Abu. Will there be more heat and rain?

Baba: There is only one such place in the world which will be unaffected by small earthquakes. It is the biggest mountain [made] of granite. It is a deep rock made up of a single stone. Cities of the world will be destroyed gradually one by one through bombs and you children will sit in Mount Abu and keep watching the scenes on TV and on the unlimited TV. The world will undergo destruction and you will live comfortably. But when the last destruction takes place nothing will survive.

जिज्ञास्- तो नैनों पर बिठाकर ले जाऊँगा इसका मतलब?

बाबा- हाथ पर बिठाकर ले जाऊँ तो फिर भी ठीक। कोई पहलवान आदमी हो हाथ में बिठा लेगा। जैसे कुंभकर्ण के हाथ पर टी.वी में दिखाया गया विभीषण बैठा हुआ था, खड़ा हुआ था लेकिन नैन तो बिठाने की जगह नहीं है। नैनों पर बिठाने का मतलब ये है कि बाप इतनी स्वीट दृष्टि देंगे, इतनी आकर्षण वाली दृष्टि होगी कि उस दृष्टि के आकर्षण से आत्मा स्वत ही ऊपर उड़ती चली जायेगी। कोई तकलीफ नहीं होगी। अभी तो याद में बैठते है तो ऊपर-

नीचे भी होते है क्योंकि खुद के अंदर देहभान है। अपन को आत्मा समझने की पक्की प्रैक्टिस नहीं की है।

Student: Then (it has been said that), I will carry you on my eyes, what does this mean?

Baba: It is still fine, if someone says that I will carry you on my arms. If someone is a wrestler, he may carry someone on his hands. For example, it was shown on TV that Vibheeshan was sitting, standing on the hand of Kumbhakarna, but eyes are not a place to seat someone. Seating someone on the eyes means that the Father will give such sweet *drishti*, such an attractive *drishti* that the soul will automatically start flying under the attraction of that *drishti*. There will not be any difficulty. Now when you sit in remembrance, sometimes you do oscillate up and down because you are body conscious. You have not practiced firmly to consider yourself to be a soul.

समयः 01.05.20-01.06.00

जिज्ञासः कांग्रेस का बेहद का अर्थ क्या है?

बाबाः कांव रेस। कौआ कांव-3 करता है उस कांव-2 की रेस में जो सबसे आगे जाते है माना फालत् भाषण बाजी करते रहते हैं - रामराज्य लायेंगे। अरे, तुम्हारा बाप भी राम राज्य नहीं ला पाया और ही रावण राज्य आ गया तुम क्या राम राज्य लाओगे। तो कांव-कांव की रेस करने वालों का नाम पड़ गया कांग्रेस।

Time: 01.05.20-01.06.00

Student: What is meant by Congress in an unlimited sense?

Baba: The caw race. A crow caws; the ones who go ahead of everyone in the race to cawing, i.e. they keep delivering wasteful lectures that they will bring *Ramrajya* (the kingdom of Ram). Arey, even your father could not bring *Ramrajya*; In addition *Ravanrajya* came. How will you bring *Ramrajya*? So, those who take part in the race of cawing were named Congress.

समयः 01.06.01-01.08.25

जिज्ञासुः बाबा एक बात समझ में नहीं आई है 76 में राम वाली आत्मा को अपनी सीट में जब सेट हो जाता है तो उसके निश्चय को कोई हिला नहीं सकता है। तो उस आत्मा के लिए बोला है। तो निश्चय-अनिश्चय जो होता है साकार के प्रति लागू होता है।हम बच्चों के लिए जैसे निश्चय-अनिश्चय किसके प्रती है? आत्मा के लिए तो नहीं। साकार व्यक्ति थू ही निश्चय-अनिश्चय लागू होता है कि निश्चय किसके ऊपर?

बाबाः निश्चय साकार के ऊपर। बिंदी के ऊपर निश्चय की बात नहीं होती।

जिज्ञासु- हाँ, बाबा।

बाबा- हाँ, जी।

Time: 01.06.01-01.08.25

Student: Baba, I could not understand one thing; when the soul of Ram becomes set on his seat in (19)76, nobody can shake his faith. So, it has been said for that soul the subject of faith and faithlessness is applicable to the corporeal one. For example, in case of we children, on whom do we have faith and faithlessness? It is not for the soul. Faith and faithlessness is applicable only through the corporeal one. On whom do we have faith?

Baba: Faith on the corporeal one. There is no question of faith on the point.

Student: Yes, Baba.

Baba: Yes.

जिज्ञासु- तो वही राम वाली आत्मा को किस बात पर निश्चय हो जाता है जो उसको अपनी सीट पर कोई हिलाए नहीं सकता क्योंकि उसको तो लास्ट जन्म में किसी के ऊपर आस्था नहीं रहती। तो उसको किस बात का निश्चय हो जाता है और ज्ञान में हमने सुना है तीन बातों की निश्चय होती है एक आत्मा पर निश्चय, एक ड्रामा पर निश्चय और एक बाप पर निश्चय। तो आत्मा और ड्रामा इसपर तो निश्चय बाबा का, राम वाली का बैठ जाता है हम मान लेते है। तो जो बाप है हम बच्चों के लिए तो साकार है, राम वाली आत्मा के लिए साकार में कोई बाप नहीं है। तो तीसरी नंबर की निश्चय वो किस तरह लागू होती है? बाबा- माना राम वाली आत्मा को ये पता नहीं चलता है कि उस निराकार का साकार रूप क्या है। उसको पता नहीं चलता?

Student: So, on what does that soul of Ram develop faith that nobody can shake him from his seat because in the last birth he does not have faith on anyone. So, on what does he develop faith? And we have heard that there are three kinds of faith in knowledge, one is faith on the soul, one is faith on the drama and one is faith on the Father. So, we accept that Baba, i.e. the soul of Ram develops faith on the soul and the drama. The Father is corporeal for us children; the soul of Ram does not have any father in a corporeal form. So, how is the third kind of faith (i.e. faith on the Father) applicable to him?

Baba: Does it mean that the soul of Ram does not come to know, who is the corporeal form of that incorporeal one? Does he not come to know?

जिज्ञासु- वो तो खुद को मालूम नहीं पड़ता है कि मेरे अंदर शिव प्रवेश कर के.... बाबा- अगर उसको पता नहीं है तो म्रलियों की बात को मानता है या नहीं मानता है?

बाबा- अगर उसका पता नहां ह ता मुरालया का बात का मानता ह या नहां मानता ह म्रिलयों की बात भगवान बाप की बात है या दादा लेखराज ब्रह्मा की बात है?

जिज्ञास्- भगवान बाप की।

बाबा- तो निश्चय नहीं हुआ? और जो पार्टियाँ निकल रही है मुरिलयों कीबातें मानती है, नहीं मानती है, साक्षात्कार से निकले हुए चित्रों को मानती है, नहीं मानती है, अव्यक्त वाणी को मानती है या नहीं भी मानती है लेकिन राम वाली आत्मा किसको मानती है? किसी जिंदा आदमी को नहीं मानती। लेकिन किसी को मानती है, किसको मानती है?

जिज्ञासु- भगवान।

बाबा- भगवान क्या है? सत्य ही ज्ञान है, सत्य ही भगवान है। गाँड़ इज हुथ कहा जाता है। सच्चाई को ही भगवान कहा जाता है। सच्चाई मिल गई माना, क्या मिल गया? भगवान मिल गया।

Student: He does not come to know himself that Shiv has entered him.....

Baba: If he does not know then does he accept the Murlis or not? Have the Murlis been spoken by God or by Dada Lekhraj Brahma?

Student: God the Father.

Baba: So, did he not develop faith? The parties that are emerging may or may not believe in the Murlis; they may or may not believe in the pictures prepared on the basis of visions, they

may or may not believe in the Avyakta Vanis; but whom does the soul of Ram believe? He does not believe any living person. But he believes someone; whom does he believe?

Student: God.

Baba: What is God? Truth is knowledge; truth itself is God. It is said, "God is truth". Truth is said to be God. What do you get when you get truth? You get God.

समयः 01.08.26-01.10.00

जिज्ञासुः बाबा सूर्यवंशी बच्चों के लिए कहा गया है कि वो प्रश्न ज्यादा नहीं करते। बाबा जो समझाते हैं वो समझ जाते हैं। परंतु कोई-2 पूरा तो बाबा के ज्ञान को समझते नहीं। अगर कोई जो चीज़ को नहीं समझ पाया शिष्यों के रूप में पूछते है तो वो क्या सूर्यवंशी के लिस्ट में नहीं आयेंगे? उसमें क्या बोझा चढ़ता है?

बाबाः सबसे मुख्य बात क्या है समझने की? जानने की सबसे जास्ती मुख्य बात क्या है? बाप को जाना माना सब कुछ जाना और बाप को जानने वाले राजायें बच्चे होते हैं या प्रजा पहले जानती है? कौन जानते हैं? राजायें ही पहले जानते हैं। जो राजयोग सीखने वाले हैं वही बाप को जानते हैं। राजयोग वही सीख सकते हैं जिन्होंने बाप को जाना है, ज्ञान को जाना है। जितना ज्यादा ज्ञान में ऊँचा होगा उतना याद में भी ऊँचा होगा। ज्ञान गहराई से बुद्धि में नहीं बैठा होगा यानी बाप की जानकारी बुद्धि में नहीं बैठी होगी ड्रामा की जानकारी नहीं बैठी होगी, आत्मा की जानकारी नहीं बैठी होगी तो वो ऊँच पद भी नहीं पाए सकता और उतना योग भी नहीं लगाय सकता।

Time: 01.08.26-01.10.00

Student: Baba, it has been said for the *Suryavanshi* children that they do not ask many questions. They understand whatever Baba explains. But some do not understand Baba's knowledge completely. If someone does not understand something and asks about it in the form of a student (*shishya*), will he not be included among the *Suryavanshis*? Does he accumulate burden?

Baba: What is the main thing to understand? What is the main thing to know? Knowing the Father means to know everything. And are those who know the Father the kingly children or do the subjects (*praja*) come to know first? Who knows first? They are the kings who know him first. Only those who learn *rajyog* know the father. Only those who know the Father or know the knowledge can learn *rajyog*. The higher someone is in knowledge, the higher he will be in remembrance. If the knowledge is not seated in the intellect, i.e. if the Father's information is not seated in the intellect, if the knowledge of the drama is not there, if the knowledge of the soul is not there, then he cannot achieve a high post and he cannot have *yoga* either.

समयः 01.10.01-01.10.50

जिज्ञासुः बाबा चार्ट में जो लिखा जाता है कि आत्मिक स्थिति में कितना समय रहा और लिखा जाता है कि दिन भर में बाबा को कितना समय याद किया। तो इसका फर्क क्या है? बाबाः कितना समय का मतलब है फर्स्ट क्लास याद किया जो 8 घंटा बोला है या सेकेण्ड क्लास याद किया या थई क्लास याद रही या फोर्थ क्लास रही?

जिज्ञास्- बाबा वो थई क्लास और फोर्थ क्लास याद किसको कहा जाता है।

बाबा- कम याद रही तो सेकेण्ड क्लास, थई क्लास, फोर्थ क्लास। अच्छे से अच्छी याद रही तो फर्स्ट क्लास।

Time: 01.10.01-01.10.50

Student: Baba, it is written in the chart – how long did you remain in a soul conscious stage and it is also written – how long did you remember Baba throughout the day? So, what is the difference between both of them?

Baba: 'How long' means, was your remembrance first class, which is said to be for 8 hours or was it second class or third class or fourth class?

Student: Baba, what is meant by third class and fourth class remembrance?

Baba: If the remembrance was less, then it was second class, third class, fourth class. If the remembrance was the best, it is first-class.

.....

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.